पंकज कुमार
PANKAJ KUMAR
सचिव
SECRETARY

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन, नदी विकास
और गंगा संरक्षण विभाग
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF JAL SHAKTI
DEPARTMENT OF WATER RESOURCES,
RIVER DEVELOPMENT & GANGA REJUVENATION

प्राक्कथन

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की ''प्राचीन भारत में जलविज्ञानीय ज्ञान'' नामक पुस्तक के तीसरे संस्करण का प्रकाशन किया जा रहा है। इस पुस्तक के इस संस्करण में सभी विषय–सामग्री को द्विभाषीय रूप में प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक में हमारे प्राचीन वेद–पुराणों, उपनिषदों आदि में वर्णित अनेक जलविज्ञानीय घटनाएं तथा उनके प्रभाव, समस्या एवं उपायों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। इस पुस्तक में आधुनिक जलविज्ञानीय चक्र, बादलों की उत्पत्ति, वर्षा, सतही जल, भूजल, एवं जल गुणवत्ता का प्राचीन भारतीय विज्ञान में उल्लेखित वर्णन से तुलनात्मक अध्ययन को बहुत ही सुन्दर प्रकार से चित्रित किया गया है।

भारत अपने जल संसाधनों के विकास और प्रबंधन में अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। हमें अपनी बढ़ती आबादी को खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करनी है, नदियों और पर्यावरण को फिर से जीवंत करते हुए और जल से उत्पन्न आपदाओं से सुरक्षा प्रदान करनी है। इस संदर्भ में हमें अपनी उन्नत तकनीकों का उपयोग और नवीन प्रौद्योगिकी के विकास के साथ–साथ पारंपरिक जल संरक्षण एवं प्राचीन जल प्रबंधन का संज्ञान भी लेना होगा। इस संदर्भ में राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक अति महत्वपूर्ण हो जाती है जिसमें प्राचीन भारतीय जलविज्ञानीय ज्ञान एवं इसके इतिहास पर प्रकाश डाला गया है। मैं इस पुस्तक के समस्त लेखकों एवं संस्थान के निदेशक को बधाई देता हूँ। मुझे विश्वास है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की आने वाले समय में इस पुस्तक के संशोधित संस्करण को प्रकाशित करता रहेगा ।

पंकज कुमार

(पंकज कुमार)

दिनांक : 29/11/2022
स्थान : नई दिल्ली

आज़ादी का अमृत महोत्सव

श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली–110 001/ Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110 001
Tel. : 23710305, 23715919, **Fax :** 23731553, E-mail : secy-mowr@nic.in, **Website :** http://www.mowr.gov.in

पंकज कुमार
PANKAJ KUMAR
सचिव
SECRETARY

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन, नदी विकास
और गंगा संरक्षण विभाग
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF JAL SHAKTI
DEPARTMENT OF WATER RESOURCES,
RIVER DEVELOPMENT & GANGA REJUVENATION

FOREWORD

I am happy to know that the National Institute of Hydrology, Roorkee, is going to publish the third edition of the book "Hydrological Knowledge in Ancient India". In this edition of the book the subject matter is presented in bilingual form. The book mentions many hydrological events, effects, problems and remedies from our ancient Vedas, Puranas, Upanishads, etc. The book has beautifully depicted the juxtaposition of modern hydrological cycle, origin of clouds, rainfall, surface and groundwater and water quality with ancient Indian science.

India is facing many challenges in developing and managing its water resources. We must provide food and energy security to our growing population, rejuvenate rivers and the environment, and protect against water-borne disasters. In this context, we have to use advanced technique develop new technology, and take cognizance of traditional water conservation and ancient water management. This book being published by the National Institute of Hydrology, Roorkee is important because it throws light on ancient Indian hydrological knowledge and its history. I congratulate all the authors of this book and the Director of the Institute. I am sanguine that the Institute will continue to publish updated editions in the coming years.

(Pankaj Kumar)

Dated : 29/11/2022
Place : New Delhi

आज़ादी का अमृत महोत्सव

श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली–110 001/ Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110 001
Tel. : 23710305, 23715919, **Fax :** 23731553, E-mail : secy-mowr@nic.in, **Website :** http://www.mowr.gov.in